भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1577**

जिसका उत्तर 02.12.2019 को दिया जाना है

**भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण**

1577. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2022 तक 35,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण/उन्नयन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ख) क्या सरकार ने उन राजमार्गों को चिह्नित करने का कार्य पूरा कर लिया है जिन्हें इस योजना के तहत शामिल किया गया है; और

(ग) क्या भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत उन राज्यों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां जनसंख्या घनत्व के अनुपात में राजमार्गों की उपलब्धता राष्ट्रीय औसतन से काफी कम है?

**उत्तर**

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग): भारत सरकार ने कुल लंबाई लगभग 34,800 किमी (10,000 किमी के अवशेष एनएचडीपी खंडों सहित) में से लगभग 9,000 किमी लंबाई के आर्थिक गलियारों, लगभग 6,000 किमी लंबाई के अंतर गलियारों और फीडर रूट, लगभग 5,000 किमी लंबाई के राष्ट्रीय गलियारा दक्षता सुधार, लगभग 2,000 किमी लंबाई के सीमावर्ती सड़कों और अंतर्राष्ट्रीय संपर्कता सड़कों, लगभग 2,000 किमी लंबाई के तटीय सड़कों, पत्तन संपर्कता सड़कों और लगभग 800 किमी लंबाई के एक्सप्रेसवे के विकास के लिए 5,35,000.00 करोड़ रू. के परिव्यय के साथ भारतमाला परियोजना के चरण-I को अक्टूबर, 2017 में अनुमोदित किया था। राजमार्ग खंडों का विकास का कार्य, संरेखण, लागत अनुमानों, भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता आदि को अंतिम रूप देने के बाद शुरू किया जाता है जो विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)/व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम, परियोजना व्यवहार्यता, पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के आधार पर निर्भर करता है। भारतमाला परियोजना कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे देश में राष्ट्रीय राजमार्ग घनत्व को बेहतर करने के लिए देश में 550 जिलों को संपर्कता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।

*****